Unit-IV / इकाई-IV

8. Recount the salient features of the Brahmi script of the Gupta period.

गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि के विशिष्ट लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

9. Transliterate any **one** of the following passages into original Brahmi script.

निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण का मूल ब्राह्मी लिपि में लिप्यन्तरण कीजिएः

(i) स्व दत्तां पर दत्ताम्बा यो रहेत वसुन्धरां
भूमिदान संबद्धाः श्लोका भवन्ति
स विष्ठायां क्रिमिर्भूत्वा पित्रिभि सह पच्यतेति।

(ii) विचलित कुल-लक्ष्मी स्तम्भनायोद्यतेन
क्षितितल शयनीये येन नीता त्रियामा।
समुदित बल-कोशान्पुष्यमित्रांश्च।
जित्वा क्षितिप-चरणपीठे स्थापितो वामपादः।।

A **(Printed Pages 4)**

Roll No. _____

AS-1944

M.A.(Semester-IV) Examination, 2015

A.I.H.

(Group-A)

Paper-XVIII

(Epigraphy-II)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

Note : Answer **Five** questions in all. **Question No.1** is **compulsory**. Attempt **one** question from each Unit.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं.1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. Write short notes on the following:

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

(i) Sanchi stone inscription of the time of Chandragupta II

चन्द्रगुप्त द्वितीय के राज्यकाल का सांची पाषाण लेख

(ii) Adhishthânâdhikarana

अधिष्ठानाधिकरण

(iii) Bhitari seal of Kumaragupta II

कुमारगुप्त द्वितीय की भीतरी मुहर

(iv) Eran stone inscription of Budhagupta

बुधगुप्त का एरण प्रस्तरलेख

(v) Mihirakula

मिहिरकुल।

Unit-I / इकाई-I

2. Discuss the significance of Mathura pillar inscription of Chandragupta II, year 61.

चन्द्रगुप्त द्वितीय के मथुरा स्तम्भलेख, वर्ष 61 के महत्व की विवेचना कीजिए।

3. Bring out the historical importance of Damodarpur copper plate inscription of the time of Kumaragupta I, year 124.

कुमारगुप्त प्रथम के राज्यकाल के वर्ष-124 के दामोदरपुर ताम्रपत्राभिलेख के ऐतिहासिक महत्व को निरूपित कीजिए।

Unit-II / इकाई-II

4. Discuss the historical importance of the Mandasor inscription of the time of Kumaragupta I and Bandhuvarman.

कुमारगुप्त प्रथम और बन्धुवर्मन् के काल के मन्दसोर अभिलेख के ऐतिहासिक महत्व की विवेचना कीजिए।

5. Evaluate the importance of Bhitari stone pillar inscription of skandagupta.

स्कन्दगुप्त के भीतरी पाषाण स्तम्भलेख के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

Unit-III / इकाई-III

6. Throw light on the importance of the poona copper plate inscription of Prabhavati gupta year 13.

प्रभावती गुप्ता के वर्ष 13 के पूना ताम्रपत्राभिलेख के महत्व पर प्रकाश डालिए।

7. What light does the Eran stone inscription of Tormana, throw on his reign?

तोरमाण का एरण प्रस्तरलेख उसके राज्यकाल पर क्या प्रकाश डालता है?